

संस्कृतसाहित्यम्/संस्कृतसाहित्य/Sanskrit Sahitya

(248)

शिक्षकांकितमूल्यांकनपत्रम्/ शिक्षक अंकितमूल्यांकन पत्र/

Tutor Marked Assignment

पूर्णांकाः/ पूर्णांक/ Total Marks-20

- निर्देश - i) सर्वे प्रश्ना अनिवार्याः। प्रश्नानुसारं समक्षं सर्वे अङ्का निर्देशिताः।
ii) उत्तरपुस्तिकायाः सम्मुखे स्वनाम, अनुक्रमाङ्कसंख्या शिक्षणकेन्द्रस्य च नाम इति सर्वं लेखनीयम्।
- निर्देश - i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के अनुसार अङ्क सामने दिए गए हैं।
ii) उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अपना नाम, अनुक्रमाङ्कसंख्या, अध्ययन केन्द्र का नाम लिखिए।
- Note - i) All questions are compulsory. The marks allotted to each question are indicated alongside.
ii) Write your name, enrollment numbers and AI name on the first page of the answer sheet.

1. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत-

2

- (क) “सुभाषितानि-1” इति पाठे दत्तानां कस्यापि एकस्य सुभाषितस्य अर्थं नैतिकमूल्यानां च चर्चा कुर्वन्तु।
(द्रष्टव्यः पाठः-1)
- (ख) “नरस्याभरणं रूपं ज्ञानस्याभरणं क्षमा॥” श्लोकानुसारं मनुष्याणाम् अलङ्कारः किमर्थम् इति व्याख्याति।
(द्रष्टव्यः पाठः-1)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-

- (क) “सुभाषितानि-1” पाठ में दिए गए किसी एक सुभाषित का अर्थ तथा नैतिक मूल्यों का विवेचन करें।
(पाठ-1 देखें)
- (ख) “नरस्याभरणं रूपं ज्ञानस्याभरणं क्षमा॥” श्लोक के अनुसार मनुष्य का वास्तविक आभूषण क्या है और क्यों?
व्याख्या करें।
(पाठ-1 देखें)

Answer any one of the following questions in about 40-60 words-

- (A) From the Lesson “Inspirational words of wisdom-1” explain the meaning of any one Subhashith (proverb) and discuss their moral values. (See Lesson-1)
- (B) “नरस्याभरणं रूपं ज्ञानस्याभरणं क्षमा॥” According to the shloka, what is the true ornament of man and why? Explain. (See Lesson-1)

2. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत-

2

- (क) रामहनुमानयोः प्रथमसमागमस्य वर्णनं संक्षेपेण कुरुत। (द्रष्टव्यः पाठः-12)
- (ख) आत्मनः सुग्रीवस्य च विषये हनुमान् रामं किमब्रवीत् सन्दर्भसहितं लिखत। (द्रष्टव्यः पाठः-13)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-

- (क) राम और हनुमान के प्रथम दर्शन का वर्णन संक्षेप में करें। (पाठ-12 देखें)
(ख) हनुमान ने राम के समीप अपने तथा सुग्रीव के विषय में क्या कहा? सप्रसंग लिखिए। (पाठ-13 देखें)

Answer any one of the following questions in about 40-60 words-

- (A) Describe the first meeting of Rama and Hanuman. (See Lesson-12)
(B) What did Hanuman say to Rama about Sugreeva and himself? Write with context. (See Lesson- 13)

3. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत। 2

- (क) कर्णभारनाटकस्य प्रारम्भे कर्ण-सारथिशल्यस्य कथोपकथनवर्णनं संक्षेपेण कुरुत। (द्रष्टव्यः पाठ:-16)
(ख) परशुरामेण कर्णाय दत्तशापस्य कारणं प्रभावं च व्याख्यातव्यम्। (द्रष्टव्यः पाठ:-18)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-

- (क) कर्णभार नाटक के प्रारंभ में कर्ण और सारथी शल्य के संवाद का संक्षेप में वर्णन करें। (पाठ-16 देखें)
(ख) परशुराम द्वारा कर्ण को दिए गए शाप का कारण और उसका प्रभाव समझाइए। (पाठ-18 देखें)

Answer any one of the following questions in about 40-60 words-

- (a) Describe the dialogue between Karna and his charioteer Shalya at the beginning of the play Karnabhaara. (See Lesson-16)
(b) Explain the reason and effect of the curse given by Parashurama to Karna. (See Lesson-18)

4. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्देषु लिखत- 4

- (क) वेतालपञ्चविंशत्यस्य 'कोऽनङ्गरतिपतिः' इति कथानुसारेण कति वैज्ञानिकाः प्रवर्तन्ते? व्याख्याति। (द्रष्टव्यः पाठ:- 4)
(ख) वेतालपञ्चविंशतिसाहित्यस्य 'कः त्यागी' इति द्वितीयकथानुसारं त्यागीस्वरूपं वर्णयतु। (द्रष्टव्यः पाठ:-4)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए-

- (क) वेतालपञ्चविंशति के 'कोऽनङ्गरतिपतिः' कथा अनुसार कितने विज्ञानियों का परिचय दिया गया है? व्याख्या करें। (पाठ-4 देखें)
(ख) वेतालपञ्चविंशति कथासाहित्य की 'कः त्यागी' इस द्वितीय कथा के अनुसार त्यागी का स्वरूप वर्णन करें। (पाठ-4 देखें)

Answer any one of the following questions in about 100-150 words-

- (A) How many scientists have been introduced according to the Betal-Panchavimshati? Explain. (See Lesson-4)
(B) Describe the nature of Tyagi (renouncer) according to the second story 'Who Sacrificed' of the Betal-Panchvinshati literature. (See Lesson-4)

5. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्देषु लिखत-

4

(क) “महाजनो येन गतः स पन्था” इत्तुक्तिः स्वभाषया व्याख्यायत।

(द्रष्टव्यः पाठः-7)

(ख) कर्णभारनाट्येन इन्द्रेण दत्तं शस्त्रवृत्तान्तं कथयत।

(द्रष्टव्यः पाठः-16)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए-

(क) “महाजनो येन गतः स पन्था” इस कथन की व्याख्या करें।

(पाठ-7 देखें)

(ख) कर्णभार नाटक के अनुसार इंद्रप्रदत्त अस्त्र का वर्णन करें।

(पाठ-16 देखें)

Answer any one of the following questions in about 100-150 words-

(A) “महाजनो येन गतः स पन्था” Explain in your own language.

(See lesson-7)

(B) Describe the weapon given by Indra according to the drama Karnabhaara. (See lesson-16)

6. अधोलिखितेषु कमप्येकं विषयमधिकृत्य परियोजना-विवरणं 500 शब्देषु लिखत।

6

(क) किं सुभाषितानि साहित्यसौन्दर्ये एव सीमिताः सन्ति वा व्यावहारिकजीवने अपि उपयोगिनो भवन्ति? लघु परियोजनां लिखन्तु।

(द्रष्टव्यः पाठः-1)

(ख) कर्णभारनाटके 'त्याग' 'शौर्य' च आदर्शान् व्याख्यातव्यम्।

(द्रष्टव्यः पाठः-18)

नीचे दिए गए किसी एक विषय पर परियोजना रूप में विवरण 500 शब्दों में लिखिए।

(क) क्या सुभाषित केवल साहित्यिक सौंदर्य तक सीमित हैं या व्यवहारिक जीवन में भी उपयोगी हैं? लघु परियोजना लिखें।

(पाठ-1 देखें)

(ख) कर्णभार नाटक में 'त्याग' और 'वीरता' के आदर्श को स्पष्ट कीजिए।

(पाठ-18 देखें)

Prepare any one project out of the following subjects in 500 words –

(A) Are Subhashith (proverbs) limited to literary beauty or are they also useful in practical life?

Write a short project.

(See lesson-7)

(B) Explain the ideals of 'sacrifice' and 'bravery' in the play Karnabhara.

(See lesson-18)